



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 91] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 1, 1984/फाल्गुन 11, 1903
No. 91] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 1, 1984/PHALGUNA 11, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वर्णिज्य मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

आदेश

नई दिल्ली 29 फरवरी, 1984

का० आ० 141(अ):—केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन)
अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 9 की उपधारा (1)
द्वारा पदम गवितियों का प्रयोग करने हुए, अनुसूचित वस्त्र उद्योग में पूर्णतः
या अंशतः जूट से विनिर्मित या उत्पादित ऐसे माल के वर्गों का, जो नीचे
की मांगों के स्तम्भ (2) में उल्लिखित हैं, विनिर्दिष्ट करते हैं जिन पर
उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए उपकरण के रूप में उत्पाद-शुल्क का
राजपत्र में इन अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख में ही प्राग्भ होने वाली
अवधि में 30 अप्रैल, 1984 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है
उक्त मांगों के स्तम्भ (3) में की तन्म्याती प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट दर
पर उद्ग्रहण और समेटण किया जाएगा।

सारणी

क्रम सं०	माल के वर्ग का वर्णन	उत्पाद-शुल्क की दर प्रति टन
(1)	(2)	(3)
1.	कार्बोन पृष्ठक	8.50 रु० (केवल ग्राट रूप पचास पैसे)
2.	टाट कार्बोन पृष्ठक और सूती बोरा वस्त्र से भिन्न हेजेन और जूट फेब्रिक	7.00 रु० (केवल मात रूप)

(1)	(2)	(3)
3.	टाट	5.62 रु० (केवल पांच रूप बासठ पैसे)
4.	सूत	5.62 रु० (केवल पांच रूप वामट पैसे)
5.	डोरी	3.75 रु० (केवल तीन रूप पचहत्तर पैसे)
6.	सूती बोरा वस्त्र	2.50 रु० (केवल दो रूप पचास पैसे)
7.	(उपरांकन क्रम सं० 1-6 में विनिर्दिष्ट विनिर्माणों में भिन्न) विनिर्माण जिनमें जूट भाग के आधार पर 50 प्रतिशत या उससे अधिक है।	6.25 रु० (केवल छह रूप पचीस पैसे)

[का० सं० 5/20/83-ई पी. (टी. एण्ड जे)-III]
जे० के० बागची, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE
(Department of Textiles)
ORDER

New Delhi, the 29th February, 1984

S.O. 141 (E).—In exercise of the powers conferred by
sub-section (1) of section 9 of Industries (Development and
Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government
hereby specifies the classes of goods manufactured or produced

wholly or in part of jute in the Scheduled Industry of Textiles as mentioned in column (2) of the Table below on which a duty of excise shall be levied and collected as a cess for the purposes of the said Act, for the period commencing on and from the date of publication of this notification in the Official Gazette and upto and inclusive of the 30th April, 1984, at such rates as specified in the corresponding entry in column (3) of the said table.

TABLE

Sl. No.	Description of class of goods	Rate of duty of excise per tonne
(1)	(2)	(3)
1.	Carpet backing	Rs. 8.50 (Rupees Eight and paise fifty only).
2.	Hessian and jute fabrics other than sacking, carpet backing and cotton bagging.	Rs. 7.00 (Rupees Seven only).

(1)	(2)	(3)
3.	Sacking	Rs. 5.62 (Rupees Five and paise sixty two only).
4.	Yarn	Rs. 5.62 (Rupees Five and paise sixty two only).
5.	Twine	Rs. 3.75 (Rupees Three and paise seventy five only).
6.	Cotton bagging	Rs. 2.50 (Rupees two and paise fifty only).
7.	The Manufactures (other than those specified at Sl. No. 1-6 above) containing 50% or more of jute by weight.	Rs. 6.25 (Rupees six and paise twenty five only).

[F. No. 5/20/83-EP (T&J)-III]
J. K. BAGCHI, Jt. Secy.